जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

27 सितंबर, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया में मिशिगन विश्वविद्यालय के प्रख्यात सामाजिक मनोवैज्ञानिक प्रो. शिओबू किटायामा ने दिया व्याख्यान**

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मनोविज्ञान विभाग ने 26 सितंबर 2024 को 'सांस्कृतिक अंतर्दृष्टि: पूर्व और पश्चिम से परे अन्वेषण' विषय पर अमेरिका के मिशिगन विश्वविद्यालय के प्रख्यात और विश्व प्रसिद्ध सामाजिक मनोवैज्ञानिक प्रो. शिओबू किटायामा द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. मोहम्मद मुस्लिम खान मुख्य अतिथि थे, जबकि व्याख्यान की अध्यक्षता जेएमआई के समाज कार्य विभाग के प्रो. जुबैर मीनाई ने की। विभागाध्यक्ष प्रो. शीमा अलीम ने वक्ता और अन्य प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और इंटरेक्शन को सहज करने के लिए प्रो. गाजी शाहनवाज को धन्यवाद दिया। डॉ. कोर्सी डी. खार्शिंग ने प्रो. किटायामा के कार्यों का संक्षिप्त परिचय दिया।

प्रोफ़ेसर किटायामा एक प्रसिद्ध जापानी सामाजिक मनोवैज्ञानिक और मिशिगन विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के रॉबर्ट बी. ज़ाजोनक कॉलेजिएट प्रोफ़ेसर हैं। वे मिशिगन विश्वविद्यालय में सामाजिक मनोविज्ञान क्षेत्र के अध्यक्ष और संस्कृति और इमोशन कार्यक्रम के निदेशक भी हैं। उन्हें इमोशन, भावना और प्रेरणा सहित मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं में सांस्कृतिक भिन्नता के साथ-साथ इन प्रक्रियाओं द्वारा गठित स्वयं में दीर्घकालिक शोध रुचि है।

उन्हें जर्नल संपादन का व्यापक अनुभव है। वे पर्सनालिटी एंड सोशल साइकोलॉजी बुलेटिन (2007-2012) में प्रधान संपादक थे। हाल ही में, वे जर्नल ऑफ़ पर्सनालिटी एंड सोशल साइकोलॉजी (JPSP) के दूसरे खंड (पारस्परिक संबंध और समूह प्रक्रियाएँ) में एसोसिएट एडिटर रहे हैं। प्रोफ़ेसर किटायामा को संस्कृति के सामाजिक मनोविज्ञान पर उनके काम के लिए जाना जाता है क्योंकि यह स्वयं से संबंधित है।

प्रोफ़ेसर किटायामा ने अपनी वाक्पटु प्रस्तुति में तर्क दिया कि पश्चिमी स्वयं को दूसरों से स्वतंत्र रूप से निर्मित किया जाता है, और कई पूर्वी एशियाई संस्कृतियों के लोग व्यक्तियों के एक-दूसरे से मौलिक संबंध के आधार पर अन्योन्याश्रित स्वयं का निर्माण करते हैं। ये अलग-अलग तरीके से निर्मित स्वयं इस बात को गहराई से प्रभावित करते हैं कि लोग दुनिया को कैसे देखते हैं, वे भावनाओं का अनुभव कैसे करते हैं, वे अपने अनुभव को कैसे व्यवस्थित करते हैं, और वे किस चीज़ को महत्व देते हैं। व्याख्यान को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली और छात्रों और शिक्षकों दोनों की ओर से कई सवाल-जवाब हुए। प्रश्नोत्तर सत्र बहुत ही जीवंत और सहभागी रहा और छात्रों को अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। विभाग को उम्मीद है कि वह अपने छात्रों और शिक्षकों के लाभ के लिए इस तरह के कई और विद्वानों के संवाद आयोजित करना जारी रखेगा।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया